यीशुः
जो अभिषिक्त है

एक (*mashiah*) *मशायाह* अर्थात अभिषिक्त वह होता है जिस पर तेल उंडेला गया हो। इस प्रकार, कीश का पुत्र शाऊल एक (*mashiah*) *मशायाह* बन गया था (1 शमूएल 10:1)। इसी प्रकार, दाऊद एक *मशायाह* बना: ''शमूएल ने अपना तेल का सींग लेकर ... उसका अभिषेक किया'' (1 शमूएल 16:13)। राजा बनाने का सामान्य ढंग तेल से उसका अभिषेक करना होता था।

परमेश्वर ने अपने पुत्र के लिए (*mashiah*) *मशायाह* का विचार अपनाया। यीशु के लिए प्रयुक्त होने वाले पदनामों में से एक मशायाह, अर्थात उसका ''अभिषिक्त'' था (भजन 2:2)। दानिय्येल ने यीशु को राजघराने के व्यक्ति, ''मसीह प्रधान'' [अर्थात Messiah the Prince] (दानिय्येल 9:25) के रूप में दिखाया था।

इब्रानी भाषा का शब्द *mashiah* अंग्रेज़ी भाषा में ''Messiah अर्थात मसायाह'' बन जाता है; यूनानी भाषा का समानांतर शब्द, *ख्रिस्तोस* हिन्दी में ''मसीह'' बन जाता है। सामरिया की वह स्त्री जिसने यीशु के साथ कुएं पर बातचीत की थी किसी प्रकार यह जान गई थी कि परमेश्वर ने इस संसार में *mashiah* (अर्थात मसीह) बनकर आना था। उसने कहा था, ''मैं जानती हूं कि मसीह जो ख्रिस्तुस कहलाता है, आने वाला है'' (यूहन्ना 4:25)।

यूहन्ना के चेलों में से एक अन्द्रियास भी जानता था कि इस संसार में आने वाला परमेश्वर जो नाम धारण करेगा वह अभिषिक्त, अर्थात मशायाह होगा। पतरस को बताते समय कि ''हम को ख्रिस्तुस अर्थात मसीह मिल गया'' उसके स्वर में गहराई होगी (यूहन्ना 1:41)।

बाद में पतरस ने माना, ''तू जीवते परमेश्वर का पुत्र मसीह है'' (मत्ती 16:16)। यीशु ने पतरस की प्रशंसा की और घोषणा की कि परमेश्वर की बुद्धि ने जिस कलीसिया की योजना बनाई थी वह इस तथ्य पर बनाई जाएगी कि वह नासरी परमेश्वर का अभिषिक्त पुत्र है। परन्तु तकनीकी रूप से कहें तो पतरस के अंगीकार के समय यीशु *मशायाह* अर्थात अभिषिक्त नहीं हुआ था। मृत्यु और कब्र पर विजय पा लेने के बाद और महिमा में ऊपर उठा लिए जाने के बाद ही उसे परमेश्वर के meshiah के रूप में अभिषिक्त किया गया था। अपने स्वर्गारोहण के दस दिन बाद, पिन्तेकुस्त के दिन, यीशु अपने राज्याभिषेक के लिए अपने पिता के पास गया। सांकेतिक भाषा में कहें, तो, उसके पिता ने उसके सिर पर

अभिषेक करने का तेल उंडेल दिया था। उसने यीशु को ''परमेश्वर'' कहते हुए कहा:

> हे परमेश्वर, तेरा सिंहासन सदा सर्वदा बना रहेगा;
> तेरा राज दण्ड न्याय का है।
> तू ने धर्म से प्रीति और दुष्टता से बैर रखा है।
> इस कारण परमेश्वर ने हां तेरे परमेश्वर ने
> तुझ को तेरे साथियों से अधिक
> हर्ष
> के तेल से अभिषेक किया है (भजन संहिता 45:6, 7)।

प्रभु के दिन के उस ऐतिहासिक अवसर से (सम्भवत: 26 मई, सन 30 ई.), उसे आधिकारिक तौर पर धन्य और एकमात्र शक्तिमान, राजाओं का राजा और प्रभुओं का प्रभु (1 तीमुथियुस 6:15) अर्थात विशेष *मशायाह* बनाया गया था।